सांध्य दैनिक
4PM

यदि आप सफल होना चाहते हैं तो आपको स्वीकार्य सफलता के घिसे-पिटे रास्तों की बजाय नए रास्तों पर चलना चाहिए।
-जॉन डी. रॉकफेलर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 326 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 3 जनवरी, 2026

इस साल भारत कर सकता है बांग्लादेश... 7 | विस ही नहीं रास भी दिखाएगी... 3 | एसआईआर पर पूरी नजर रखें... 2

सड़ता सिस्टम मरते लोग

हवा, पानी, सड़क-हर मोर्चे पर भाजपा सरकार विफल

» दिल्ली में हवा, मध्यप्रदेश में पानी और यूपी में रोड एक्सीडेंट से मरता भारत

» सबसे बड़ा सवाल दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

» मौतें अब भगवान नहीं सरकार बांट रही है?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंदौर की मौतें बीत चुकी खबर नहीं हैं वह आने वाली त्रासदियों का ट्रेलर भर हैं। अगर इन खबरों के बाद भी सिस्टम नहीं जागा और व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया तो फिर पछतावे के आंसू नहीं पश्चताप की सिसकियों के अलावा कुछ हासिल होने वाला नहीं। प्रकृति भयंकर संदेश दे रही है। दिल्ली की हवा जहरीली हो चुकी है और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों की बाढ़ सी आयी हुई है।

वहीं मध्य प्रदेश के इंदौर में जहरीले पानी से हुई मौतों के चलते लोगों का भरोसा सिस्टम से उठ चुका है। कोमोवेशन ऐसी ही? स्थितियां परिस्थितियां पूरे देश के अलग—अलग हिस्सों में बन नही है लेकिन सवाल पूछने पर उन्हें ठीक करने के बजाए सवाल उठाने वालों को ही दोषी साबित किया जा रहा है। सोनम वांगचुक एक मिसाल भर है। सवाल पूछने या व्यवस्था को आईना दिखाने की कोशिश में जेल जाने वालों की की फेहरिस्त दिन प्रतिदिन लंबी होती जा रही है लेकिन व्यवस्था में तनिक भी बदलाव नहीं आ रहा है। सोचिए लखनऊ में पीएम के कार्यक्रम के बाद बचे खाने को खुले में फेंक दिया गया और 71 से ज्यादा भेड़ों की मौत हो गयी। यह हाल स्मार्ट सिटी का है जहां अरबों रूपया पानी की तरफ बहाया जा चुका है। देश के बाकी के हिस्सों का हाल आसानी से समझा जा सकता है।

मोहन सरकार मेरे बच्चे को वापस ला सकती है क्या?

इंदौर जहरीले पानी पीने से हुई मौतों में 6 माह के अभ्यान साहू की मौत ने पूरे देश में हाहाकार मचा रखा है। इंदौर के भगीरथपुरा इलाके के मराठी मोहल्ले की एक संकरी गली में रहने वाले अभ्यान साहू की मौत पानी पीने के बाद आये उल्टी दस्त के कारण हो गयी। अभ्यान के परिवार का दर्द इसलिए भी और गहरा है, क्योंकि यह बच्चा उनके जीवन में दस साल की मन्नतों और इंतजार के बाद आया था। वर्षों की दुआओं इलाज और उम्मीदों के बाद जन्मे इस बच्चे की

मौत ने पूरे परिवार को भीतर से तोड़ दिया। आसपास के लोगों के मुताबिक बच्चे की बीमारी के दौरान इलाके में कई अन्य लोग भी पेट की गंभीर समस्याओं से जूझ रहे थे लेकिन समय रहते न तो साफ पानी की व्यवस्था की गई और न ही कोई ठोस स्वास्थ्य हस्तक्षेप हुआ। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अभ्यान के परिवार ने बच्चे की मौत के बाद मिलने वाले मुआवजे को लेने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि पैसों से न तो उनका बेटा लौट सकता है और न ही सिस्टम की लापरवाही धुल सकती है। यह इनकार उनके गम की गहराई और व्यवस्था के प्रति गुस्से को साफ दर्शाता है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का शर्मनाक बयान

इंदौर घटना आया मिनिस्टर कैलाश विजयवर्गीय का बयान न सिर्फ बेहूदा था बल्कि सत्ता की संवेदनहीन मानसिकता का आईना भी। जब लोग मरते हैं और मंत्री हल्के शब्दों में बात करते हैं तो साफ हो जाता है कि सरकार और जनता दो अलग दुनियाओं में जी रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल प्रधानमंत्री की चुप्पी का है। दिल्ली की हवा पर नहीं बोले इंदौर के पानी पर नहीं बोले यूपी की सड़कों पर

नहीं बोले। क्या यह चुप्पी संयोग है? नहीं। यह वह रणनीति है जिसमें मुद्दे बोलने से नहीं दबाने से मैनेज किए जाते हैं। हाल ही में गुजरात में हुए हादसे ने एक और परत खोली। वहां सरकार सीधे सवालों के घेरे में है अनुमतियां, निगरानी, सिस्टम। यानी अब हादसे प्राकृतिक नहीं नीतिगत हो चुके हैं। तो क्या मौतें भगवान नहीं सरकारें बांट रही हैं लगता कुछ ऐसा ही है।

दिल्ली की हवा जहरीली हो चुकी है और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सड़क हादसों की बाढ़ सी आयी हुई है। इंदौर में जहरीले पानी से हुई मौतों के चलते लोगों का भरोसा सिस्टम से उठ चुका है।

मौतें चेतवानी लेकिन दुर्भाग्य कहकर दफना दिया गया

दिल्ली आज गैस चैंबर बन चुकी है लेकिन इसे आपदा कहने से सत्ता कतराती है। क्योंकि आपदा मानते ही सरकार को जवाबदेही तय करनी पड़ेगी। इसी देश के इंदौर में दूषित पानी पीने से दर्जनों लोग मर गए। टूटी पाइपलाइन सड़ी व्यवस्था और बेलगाम नगर प्रशासन। सवाल यही है कि क्या यह हादसा है या फिर प्रशासनिक लापरवाही। उत्तर प्रदेश की सड़कें अब विकास की रेखा नहीं रहीं वह आतंक का

पर्याय बन चुकी हैं। हर सुबह किसी बस के पलटने किसी ट्रक के कुचलने या किसी ओवरब्रिज से गिरने की खबर आती है। जांच बैठती है फाइल चलती है और अगला हादसा तय हो जाता है। यहां दुर्घटनाओं से मिलती मौतो पर ब्रेक लग ही नहीं पा रहा। पटना यानी बिहार की राजधानी खुद इस बात का सबूत है कि जब सत्ता को शर्म न हो तो राजधानी भी बदहाल हो सकती है। जलभराव गंदा पानी, बीमार स्वास्थ्य व्यवस्था यह सब वर्षों से बदस्तूर चल रहा है। लेकिन सरकार इसे राजद और लालूराज की विरासत कह कर टाल देती है। क्या सरकार को नहीं मालूम की पिछले 15 वर्षों से ज्यादा समय से वहा नीतिश राज है। राजस्थान और मध्य प्रदेश विकास के पोस्टर स्टेट हैं। मंचों से योजनाएं चमकती हैं लेकिन ज़मीन पर पानी सड़क और सुरक्षा तीनों चरमरा चुके हैं। इंदौर की मौतें चेतावनी हैं पर सरकार ने उन्हें दुर्भाग्य कहकर फाइल में दफना दिया।

एसआईआर पर पूरी नजर रखें कार्यकर्ता : अखिलेश यादव

बोले-राज्य निर्वाचन आयोग और केंद्रीय चुनाव आयोग के आंकड़ों में फर्क पैदा कर रहा संदेह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश का भाजपा व चुनाव आयोग पर प्रहार जारी है। सपा मुखिया ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा बूथ स्तर पर पार्टी मजबूत करें और मतदाता सूची की सतर्क निगरानी करें। उन्होंने राज्य और केंद्रीय निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में अंतर पर सवाल उठाए। मतदाता सूची को लेकर हो रहे एसआईआर पर पूरी नजर रखें। जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया हो, उन्हें शामिल कराएं। सभी लोग सावधान रहें।

अखिलेश यादव ने कहा कि इस समय जिस तरह के आंकड़े सामने आए हैं, उसमें चुनाव आयोग और अधिकारियों को अपनी विश्वसनीयता साबित करनी है। हमें उम्मीद है चुनाव आयोग, मैपिंग एप और जो कंपनियां चुनाव आयोग का तकनीकी रूप से मदद कर रही हैं, वे निष्पक्ष होंगी। उन्होंने कहा कि अगर मतदाताओं की संख्या के आंकड़ों में फर्क आता है। राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़े और केंद्रीय निर्वाचन आयोग के आंकड़े भिन्न हैं तो एसआईआर का क्या मतलब रह गया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से हर वर्ग परेशान है। किसान, नौजवान और महिलाएं त्रस्त हैं। उधर, नववर्ष के अवसर पर सदर कैंट गुरुद्वारा साहिब की ओर से अखिलेश यादव को नरेंद्र सिंह छाबड़ा, नवल जीत सिंह नागपाल, सुरेंद्र सिंह छाबड़ा, आतम सिंह सोढ़ी और महेंद्र सिंह छाबड़ा ने सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। अभिषेक दीक्षित ने संडीला के लड्डू भेंट किए।

मुलायम सेवा संस्थान के प्रांगण में पुलिस की मुस्तैदी का किया स्वागत

अखिलेश यादव ने एक्स के माध्यम से कहा कि हम उत्तर प्रदेश पुलिस का अभिनंदन करते हैं जो अतिरिक्त सजगता और सतर्कता से माघ मेले में निर्माणाधीन सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव स्मृति सेवा संस्थान के प्रांगण में पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा-संरक्षा का काम संपन्न कर रही है। शासन-प्रशासन इस तथ्य से अवगत है कि नेताजी के प्रति आम लोगों की कितनी आस्था रही है। इसलिए लाखों लोग यहां दर्शनार्थी बनकर आएंगे। इसी कारण से सुरक्षा की अतिरिक्त जांच करी जा रही है।

जब लाचारों पर चलेगा बुलडोजर, तो प्रतिक्रिया आना स्वाभाविक है : विजयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने कहा कि बेंगलुरु में हाल में घरों को गिराए जाने जैसे मुद्दों पर वह इसलिए प्रतिक्रिया देने से नहीं हिचकेंगे, क्योंकि मामला दूसरे राज्य का है। विजयन से पूछा गया कि क्या उन्होंने शिवगिरि मठ में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ अपनी बैठक के दौरान तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता देर से पहुंचे और उन्हें कैबिनेट बैठक में शामिल होना था, इसलिए उन्हें अनुमति लेकर जल्दी जाना पड़ा।

विजयन ने कर्नाटक के नेताओं द्वारा तोड़फोड़ के मुद्दे में हस्तक्षेप न करने की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विध्वंस या अल्पसंख्यक अधिकारों जैसे मुद्दों पर वह (विजयन) अपनी प्रतिक्रिया को राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसे मामलों में कड़ी प्रतिक्रिया देते हैं, यहां तक कि जब गाजा जैसे अन्य देशों में भी इसी तरह के मुद्दे उठते हैं, तब भी वह कड़ी प्रतिक्रिया देते हैं। विजयन ने कहा कि जब लाचार लोगों को बुलडोजर चलाकर बेघर कर दिया जाता है तो प्रतिक्रिया देना स्वाभाविक है। पिछले महीने, विजयन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा था कि बेंगलुरु में घरों को गिराने की घटना अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाली राजनीति का एक रूप दर्शाती है, जो पहले उत्तर भारत में देखी गई थी, और यह कहते हुए आगाह किया था कि इस तरह का चलन दक्षिण भारत में भी फैल रहा हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत इसे अंजाम दिया गया है, जिसे उन्होंने बुलडोजर न्याय बताया था।

लोगों को हथियार बांटकर भड़काया जा रहा है : चंद्रशेखर आजाद

» नगीना के सांसद ने सरकार को सुनाई खरी-खोटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बिजनौर स्थित नगीना संसदीय सीट से सांसद व आजाद समाज पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गाजियाबाद के एक मामले का जिक्र करते हुए प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक वीडियो बयान जारी कर सरकार पर हमला बोला है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा, आज ये देश में क्या हो रहा है, तलवारें बांटी जा रही हैं। एक संप्रदाय के खिलाफ जज्बाती नारे लगाकर, एक समाज को इकट्ठा कर एक संप्रदाय के खिलाफ हिंसा की कोशिश की जा रही है, लोगों को भड़काया जा रहा है, लेकिन बहरी गूंगी सरकार को नहीं दिख रहा है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि, सरकार ने आंखे बंद कर ली है, मुंह सिल लिया है, कान पर कैप ढक लिए हैं, उन्हें (सरकार) को ये अन्याय, आतंकवादी घटनाएं नहीं दिख रही हैं. सरकार को ये जुल्म नहीं दिख रहा है, संप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाले गुंडे नहीं दिख रहे हैं। सांसद ने कहा कि, इनकी वजह से किसी राज्य, जिले में कोई बड़ी घटनाएं घट सकती हैं। ये अपराधी सरकार को आतंकवादी नहीं दिख रहे हैं। वहीं, हिंदू रक्षा दल के लोगों द्वारा हथियार प्रदर्शनी व हथियारों के वितरण मामले की सूचना जब पुलिस को मिली तो पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई शुरू की. पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है. यह पूरा मामला शालीमार गार्डन क्षेत्र का है।

नेपाल जैसा विरोध प्रदर्शन करो : रविदास

» सपा विधायक ने जजपा के अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला का समर्थन किया

» भाजपा ने पलटवार किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने अजय चौटाला के बयान का समर्थन करते हुए महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ युवाओं से नेपाल की तरह सड़कों पर उतरने का आह्वान किया है, जिस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए इसे राष्ट्रविरोधी और लोकतंत्र-विरोधी करार दिया।

समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा शनिवार को जननायक जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य अजय सिंह चौटाला की बात दोहराते हुए कहा कि देश में वैसी ही परिस्थितियाँ हैं जिनके कारण कई पड़ोसी देशों में जन आंदोलन हुए थे। बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी के कारण जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है, जबकि सत्ता में बैठे लोग लोगों की पीड़ा के प्रति उदासीन बने हुए हैं। उन्होंने युवाओं से नेपाल की तरह सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। रविदास मेहरोत्रा ने कहा कि भारत के पड़ोसी देशों नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में लोगों ने विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी सरकारों को उखाड़ फेंका है।

भारत में भी ऐसी ही स्थिति है; लोग भूख से मर रहे हैं, गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी है, और सत्ता में बैठे लोग इन समस्याओं को अनदेखा कर रहे हैं। इसलिए, देश के युवाओं को नेपाल की तरह सड़कों पर उतरना चाहिए और जन आंदोलन के माध्यम से सत्ता में बैठे लोगों को हटाना चाहिए। चौटाला ने कहा कि श्रीलंका के युवाओं ने सरकार को उखाड़ फेंका और सत्ता परिवर्तन किया। बांग्लादेश के युवाओं ने उन्हें देश छोड़ने पर मजबूर किया। नेपाल के युवाओं ने न केवल उन्हें सत्ता से बेदखल किया, बल्कि सड़कों पर उनका पीछा किया और उनकी पिटाई भी की। हमें यहां भी ऐसे ही युवाओं की जरूरत है।

ये लोग लोकतंत्र विरोधी हैं : शहजाद पूनावाला

इसको लेकर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि भाजपा विरोधी बनने की कोशिश में कुछ लोग राष्ट्रविरोधी और संविधानविरोधी बन जाते हैं। एक तरफ अजय चौटाला बांग्लादेश जैसी हिंसक स्थिति को बढ़ावा देते हैं, अब समाजवादी पार्टी ने भी यही रुख अपनाया है। ये लोग लोकतंत्र विरोधी हैं। इससे पहले, पूर्व सांसद अजय चौटाला ने अपने बयान से आलोचनाओं को जन्म दिया, जिसमें उन्होंने युवाओं से सत्ताधारी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने का आह्वान किया था।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

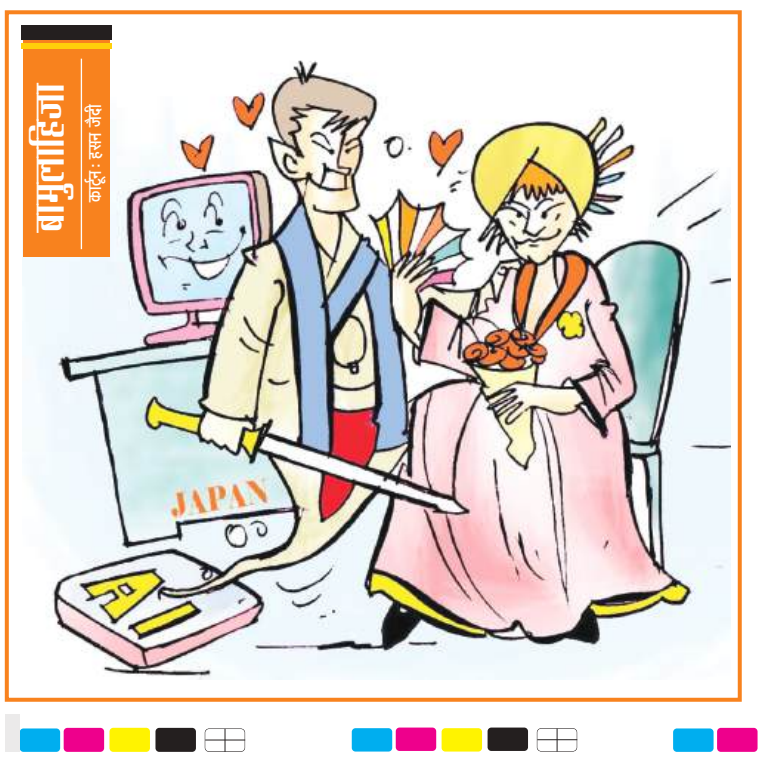

नागरिकता परीक्षण वाले वीडियो पर भड़के ओवैसी

आईएमआईएम प्रमुख बोले- इससे नफरत और सांप्रदायिक भेदभाव को मिलेगा बढ़ावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गाजियाबाद पुलिस की उस वायरल वीडियो को लेकर आलोचना की, जिसमें एक अधिकारी को एक व्यक्ति की राष्ट्रीयता की जांच करने के लिए एक उपकरण का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, और इसे घृणा और सांप्रदायिक पूर्वाग्रह का स्पष्ट उदाहरण बताया।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें गाजियाबाद के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को एक व्यक्ति की पीठ पर स्मार्टफोन जैसा कुछ रखते हुए और यह कहते हुए दिखाया गया कि वह बांग्लादेश से है। पुलिस ने बाद में कहा कि यह घटना एक झुग्गी बस्ती में नियमित क्षेत्र नियंत्रण अभ्यास के दौरान हुई। ओवैसी ने ट्विटर पर गाजियाबाद पुलिसकर्मी ने व्यक्ति की राष्ट्रीयता के जांच के लिए उपकरण का इस्तेमाल किया, उसे बताया कि वह बांग्लादेश का है जांच के आदेश शीर्षक वाली मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा, यही उपकरण पुलिसकर्मी के सिर पर भी लगाया जाना चाहिए ताकि पता चल सके कि उसके दिमाग में मस्तिष्क है या नहीं।

यह नफरत और सांप्रदायिक भेदभाव का स्पष्ट उदाहरण है क्योंकि पीड़ित का नाम मोहम्मद सादिक है, जो बिहार के अररिया का रहने वाला है। वीडियो में एक अधिकारी एक महिला और एक पुरुष से कहते हुए सुनाई दे रहा है, झूठ मत बोलो हमारे पास झूठ पकड़ने वाली मशीन है।

विस ही नहीं रास भी दिखाएगी राह

भाजपा और विपक्ष के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा

- साल 2026 में ऐसे बदल जाएगी तस्वीर
- सत्ता की दिशा तय करने वाला निर्णायक मोड़
- यूपी-बिहार की 15, बंगाल की 5 सीटें होंगी खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2026 पांच राज्यों में केवल विधान सभा चुनाव के लिए ही याद नहीं किया जाएगा। इसवर्ष संसद के उच्च्य सदन राज्यसभा में भी चुना होंगे। ये चुनाव भी अहम हैं। इससे सत्ता पक्ष की ताकत तो पता चलेगी ही साथ ही विपक्ष की तैयारी को भी आंका जाएगा। 2026 मोदी सरकार और भारतीय राजनीति के लिए बेहद अहम साल साबित होने वाला है, क्योंकि इसी दौरान राज्यसभा में सत्ता संतुलन बदलने की पूरी संभावना बन रही है।

मोदी सरकार के छह मंत्रियों सहित कई बड़े नेताओं का राज्यसभा कार्यकाल पूरा हो रहा है, ऐसे समय में जब मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल और राजनीतिक पुनर्संतुलन की अटकलें तेज हैं। खास तौर पर महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में खाली होने वाली सीटें न केवल दलों की संख्या तय करेंगी, बल्कि एनडीए और विपक्षी गठबंधनों की ताकत भी परखेंगी।

बिहार मे 5 सीट, राजद का घटेगा रूतबा

बिहार में अप्रैल में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही है। राज्यसभा में जिन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें राष्ट्रीय जनता दल के प्रेम चंद गुप्ता, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, आरएलएम उपेंद्र कुशवाहा, जेडीयू के हरिवंश नारायण शामिल हैं। 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए 41 विधायकों के सपोर्ट की जरूरत है।

यूपी से 10 सीटें खाली होगी

यूपी से 10 राज्यसभा सीटें खाली होगी। मौजूदा वक्त में इनमें से 8 सीटें बीजेपी के पास है। नवबर में जिन बीजेपी सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें नीरज शेखर, दिनेश शर्मा, हरदीप पुरी, बीएस वर्मा, बृज लाल और सीमा द्विवेदी शामिल है। समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव और बीएसपी के रामजी गौतम का कार्यकाल भी नए साल के नवबर महीने में खत्म हो रहा है। राज्य विधानसभा में बीजेपी की स्थिति को देखते हुए पार्टी अपनी 8 सीटों को कायम रख सकती है, समाजवादी पार्टी को भी दो सीटें मिल सकती है। बीएसपी के पास इतने नबर नहीं है कि वह अपने किसी नेता को राज्यसभा भेज सके। ऐसे में लगभग दो दशक बाद ऐसे हालात बनेंगे कि बीएसपी को एक भी सांसद नहीं होगा।

22 से अधिक सीटें होगी खाली

उत्तर प्रदेश में 10, बिहार में 5 और महाराष्ट्र में 7 सीटों का खाली होना सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा है। वहीं पश्चिम बंगाल और बिहार में बदलती विधानसभा गणित राज्यसभा चुनावों को और दिलचस्प बना सकती है। कुल मिलाकर, 2026 के राज्यसभा चुनाव सिर्फ संख्या का खेल नहीं होंगे, बल्कि सत्ता की दिशा तय करने वाला निर्णायक मोड़ साबित हो सकते हैं।

बंगाल की स्थिति

बंगाल से पांच सीटों पर चुनाव होगा, खाली होने वाली सीटों में चार टीएमसी से हैं। सीपीएम के बिकास रंजन भट्टाचार्य का कार्यकाल भी अप्रैल में खत्म हो रहा है। राज्य में मार्च-अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। इस लिहाज से विधानसभा की स्थिति बदल जाएगी और जिससे ये चुनाव प्रभावित होंगे। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की 3 सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

छह मंत्रियों का भी राज्यसभा टर्म पूरा होगा

2026 में मोदी सरकार के छह मंत्रियों का भी राज्यसभा टर्म पूरा होगा। इनका टर्म ऐसे समय पूरा होगा जब मोदी सरकार में बड़े बदलाव की भी संभावना बतायी जा रही है। महाराष्ट्र में रामदास अठावले बीजेपी के समर्थन से दो बार से राज्यसभा जा रहे हैं। लेकिन, हाल में उनका एनडीए में संबंध कोई बहुत बेहतर नहीं रहा है। बीएमसी चुनाव में भी वह सीट शेयरिंग को लेकर नाराज हैं। मंत्रिमंडल फेरबदल में कई 7 पुराने मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है।

बीएमसी चुनाव में भाई-भतीजों दांव

43 नेताओं ने चुनावी मैदान में उतारे रिश्तेदार

- नेपोटिज्म का बोलबाला?
- राजनीतिक वंश और बीएमसी टिकटों की संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बृहन मुंबई नगर निगम के चुनावी मैदान में इस बार परिवार पहले की राजनीति में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। 15 जनवरी को होने वाले BMC चुनावों के लिए नॉमिनेशन प्रक्रिया अब बंद हो गई है, और यह साफ हो गया है कि कम से कम 43 नेताओं ने अपने परिवार के सदस्यों के लिए टिकट पक्के कर लिए हैं, जिससे नागरिक राजनीति में राजनीतिक वंशों के बढ़ते प्रभाव पर नए सवाल उठ रहे हैं।

मुंबई में, इस चुनाव में पारिवारिक संबंधों के आधार पर टिकटों का बंटवारा एक बड़े पैमाने पर हुआ है। कम से कम 43 नेताओं ने अपने करीबी रिश्तेदारों, जिनमें बच्चे, पति/पत्नी, भाई, बहन और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हैं, के लिए नॉमिनेशन पक्के किए हैं। प्रमुख नामों में बीजेपी विधायक राहुल नार्वेकर हैं, जिन्होंने अपने परिवार के लिए 3 टिकट पक्के किए हैं, कांग्रेस विधायक असलम शेख, जिन्होंने भी 3 टिकट पक्के किए हैं, और पूर्व NCP विधायक नवाब मलिक, जो इसी श्रेणी में आते हैं। कई मामलों में, नेताओं ने अपने प्रभाव और स्थापित वोट बैंक का इस्तेमाल करके परिवार के सदस्यों के लिए टिकट पक्के किए, अक्सर पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच अनुभव या वरिष्ठता पर ध्यान नहीं दिया गया।

ये रिश्तेदार मैदान में उतरे

शिवसेना शिंदे गुट : सांसद रवींद्र वायकर की बेटी दीप्ति वायकर अंधेरी पूर्व के वार्ड 73 से चुनाव लड़ रही हैं। रवींद्र वायकर पहले 4 बार बीएमसी पार्षद रह चुके हैं, बाद में विधायक बने और अब संसद सदस्य हैं। विधायक दिलीप लांडे ने अपनी पत्नी शैला लांडे के लिए वार्ड 163 से टिकट पक्का किया है। भांडुप के विधायक अशोक पाटिल के बेटे रूपेश पाटिल वार्ड 113 से चुनाव लड़ रहे हैं। वरिष्ठ नेता और विधायक सदा सरवणकर ने अपने बेटे समाधान के लिए वार्ड 194 से और अपनी बेटी प्रिया के लिए वार्ड 191 से टिकट पक्के किए हैं।

भाजपा : राहुल नार्वेकर के परिवार से जुड़े तीन टिकटों में उनके भाई मकरंद नार्वेकर वार्ड 226 से, उनकी भाभी हर्षिता नार्वेकर वार्ड 227 से, और उनकी चचेरी बहन डॉ. गौरवी शिवलकर भी वार्ड 227 से शामिल हैं। पूर्व सांसद किरीट सोमैया के बेटे नील सोमैया मुलुंड वार्ड 107 से पहले ही निर्विरोध जीत चुके हैं, क्योंकि विपक्षी उम्मीदवार का नॉमिनेशन तकनीकी कारणों से खारिज कर दिया गया था। बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर के भाई प्रकाश दरेकर वार्ड 3 से चुनाव लड़ रहे हैं। बीजेपी मुंबई अध्यक्ष अमित सातम के जीजा वार्ड 68 से चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस : कांग्रेस ने भी कई सीनियर नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट दिया है। मलाड से विधायक असलम शेख ने अपने बेटे हैदर शेख को वार्ड 34 से, अपनी बहन कमर जहां सिद्दीकी को वार्ड 33 से, और अपने दामाद सैफ अहमद खान को अंधेरी पश्चिम में वार्ड 62 से टिकट दिलवाया है। पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान के बेटे आमिर खान कुर्ला में वार्ड 162 से चुनाव लड़ रहे हैं। मोहसिन हैदर के बेटे सूफियान हैदर वार्ड 65 से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी मेहर हैदर वार्ड 66 से चुनाव लड़ रही हैं। पूर्व सांसद चंद्रकांत हांडोरे की बेटी प्रग्योति को वार्ड 140 से टिकट दिया गया है।

शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट : मौजूदा विधायक संजय दीना पाटिल की बेटी सुजल वार्ड 114 से चुनाव लड़ रही हैं। पूर्व मंत्री सुनील प्रभु के बेटे अंकित वार्ड 54 से चुनाव लड़ रहे हैं। विधायक मनोज जमसुतकर की पत्नी सोनम को वार्ड 210 से टिकट दिया गया है।

बीजेपी किसी से पीछे नहीं

बीजेपी लंबे समय से खुद को वंशवादी राजनीति के खिलाफ पार्टी के तौर पर पेश करती रही है, लेकिन इस चुनाव में कई मामलों में उसने इस रुख को नरम किया है। राहुल नार्वेकर जैसे नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिए गए, वहीं पार्टी ने कुछ अन्य लोगों को टिकट देने से मना कर दिया। जिन लोगों को टिकट नहीं मिला, उनमें मंत्री आशीष शेलार के भाई, विधायक मनीषा चौधरी की बेटी, विधायक विद्या ठाकुर के बेटे, एमएलसी राजहंस सिंह के बेटे और पूर्व एमएलसी विजय गिरकर की बेटी शामिल हैं। जैसे-जैसे चुनाव प्रचार तेज हो रहा है, परिवार आधारित उम्मीदवारों की प्रमुखता बीएमसी चुनावों की एक खास पहचान बनकर उभरी है, जिससे योग्यता, आंतरिक लोकतंत्र और शहरी स्थानीय शासन की भविष्य की दिशा पर बहस छिड़ गई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ते महिला अपराधों पर गंभीर चिंतन जरूरी

साल 2026 महिला अपराधों में भारी संख्या देखने को मिली। सबसे ज्यादा अपराध शादीशुदा महिलाओं की तरफ से हुए। जैसै बहुत से मामलों मे पतियों ने खुदकु शी की उसमे पत्नी पर दबाव का आरोप लगा। उधर कई महिलाओं ने अपने प्रमियों के साथ मिलकर पतियों की हत्या की। इसके अलावा व्यक्तिगत अपराध में भी इसी अच्छी-खासी संख्या देखने को मिली। समाजिक व्यवस्था के लिए यह खतरनाक है। इस समस्या के समाधान के लिए समाज, परिवार से लेकर सरकारों तक को गंभीर होना होगा। महिलाओं में शिक्षा का प्रसार और सशक्तीकरण के दावे उस वक्त मुंह चिढ़ाते नजर आते हैं जब यह तथ्य सामने आता है कि भारतीय जेलों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले दुगुनी तेजी से बढ़ रही है। इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट का यह खुलासा चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि भारतीय जेलों में महिलाओं की हिस्सेदारी कम होने के बावजूद जेलों में महिला कैदियों की संख्या दो दशक में 162 फीसदी बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार महिला कैदियों के मामले में दुनिया में भारत का स्थान छठा है। चिंता की बात यह भी है कि जेलों में महिलाओं के अनुकूल सुविधाएं नहीं हैं।

बड़ा सवाल यही है कि महिलाओं का सशक्तीकरण जिस तरह बढ़ा है उसके मुकाबले महिलाएं अपराध से विमुख क्यों नहीं हो रहीं? अपने हकों की लड़ाई में आगे रहने वाली महिलाओं की आखिर आपराधिक प्रवृत्ति क्यों होने लगी है? एक आशंका यह भी सामने आती है कि कहीं खुद के बचाव में पुरुष ही तो महिलाओं को अपराध की दुनिया में धकेलने नहीं लग गए हैं। कई मामलों में जांच के दौरान यह बात सामने आती रही है। खास तौर से मादक पदार्थ और अन्य वस्तुओं की तस्करी में महिलाओं को जोड़ने का दौर बढ़ने लगा है। अमरीका और चीन जैसे विशाल आबादी के देशों से तुलना करें तो हम यह संतोष जरूर कर सकते हैं कि हमारे यहां की जेलों में महिला बंदियों की संख्या अपेक्षाकृत काफी कम है। लेकिन महज चार फीसदी संख्या में महिला बंदी होने के बावजूद आपराधिक मामलों में इनकी भागीदारी का लगातार बढना कई खतरों की ओर संकेत करता है। सबसे बड़ा खतरा तो बच्चों की परवरिश का है, जिसमें बाधा आती है। गौर करें तो इसकी जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, पारिवारिक दबावों और लैंगिक पूर्वाग्रहों में हैं, जहां महिलाएं अक्सर गरीबी, घरेलू हिंसा और मानसिक आघात की शिकार होकर अपराध की ओर मुड़ जाती हैं। घरेलू हिंसा से जुड़े मामले जैसे- दहेज हत्या, चोरी, धोखाधड़ी और कभी-कभी हत्या की वारदात तक इनमें शामिल हैं। यह बात सही है कि महिलाओं में आई जागरूकता उन्हें अधिकारों के लिए लडने को प्रेरित करती है, लेकिन जब बात आर्थिक असुरक्षा और पारिवारिक दबाव की होती है तो वे अपराध के रास्ते में आसानी से धकेल दी जाती हैं।

महिलाओं में शिक्षा का प्रसार और सशक्तीकरण के दावे उस वक्त मुंह चिढ़ाते नजर आते हैं जब यह तथ्य सामने आता है कि भारतीय जेलों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले दुगुनी तेजी से बढ़ रही है। इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट का यह खुलासा चिंताजनक है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है अरावली का वजूद

देवेंद्र शर्मा

वर्ष 2021 की हॉलीवुड व्यंग्य फिल्म 'डोंट लुक अप' में, दो अमेरिकी खगोलशास्त्री दुनिया को एक धूमकेतु के बारे में चेतावनी देते हैं, जो पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति एक अरबपति के झांसे में आ जाते हैं, जो यह दावा करता है कि उस आकाशीय पिंड में खरबों डॉलर के दुर्लभ तत्व हैं। आखिरकार, धूमकेतु पृथ्वी से टकराता है, जिससे एक वैश्विक आपदा बनती है। काश! फिल्म के मुख्य किरदारों ने प्राकृतिक संसाधनों की लूट के भयानक परिणामों के बारे में संज्ञान लिया होता, जैसा कि उत्तर भारत के 'हरे फेफड़े' पुकारी जाने वाली और पर्यावरण सुरक्षा के लिए अति संवेदनशील किंतु क्षतिग्रस्त की जा चुकी अरावली पर्वत श्रृंखला की प्रस्तावित 100 मीटर की परिभाषा से साफ था तो फिल्म का शीर्षक 'डोंट लुक अप, लुक डाउन' होता। यह वही है, जिसकी चेतावनी महात्मा गांधी ने यह कहकर दी थी, 'दुनिया में हर किसी की जरूरत के लिए काफी है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं।'

कई साल पहले, मैं हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में गोविंद सागर जलाशय के ऊपर हिमालय की नाजुक पहाड़ियों में चूना पत्थर की खुदाई पर रिपोर्टिंग करने गया था। एक सीमेंट कंपनी धीरे-धीरे, परत-दर-परत, चूना पत्थर वाली पहाड़ी को खुरच रही थी। जब मैंने कंपनी के महाप्रबंधक से पूछा कि क्या उन्हें अहसास है कि पहाड़ी को समतल करने से गंभीर पारिस्थितिक नुकसान होगा, तो उनके जवाब में आमतौर पर हावी मानसिकता झलक रही थी, 'जब पहाड़ी ही नहीं रहेगी तो आप किस पारिस्थितिक नुकसान की बात कर रहे हैं?' हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर आधारित सभी विकास गतिविधियां बंद कर देनी चाहिए। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि मुख्य आवश्यक तत्वों के अत्यधिक खनन के गंभीर पर्यावरणीय परिणाम होते हैं और इसके लिए सख्त नियमों के अलावा प्रकृति द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के आर्थिक मूल्यांकन की भी जरूरत है। इसके सामाजिक प्रभाव भी होते हैं, जिनके लिए कोई माप-सूत्र मौजूद नहीं है।

ऐसे में, अगर नीति निर्माताओं को गलती करनी भी पड़े, तो उन्हें लोगों और पर्यावरण के हित में गलती करनी चाहिए। इसी तरह, जब हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे, तब एक ऐसा कथानक गढ़ने की कोशिश की गई जो उन दावों को चुनौती दे रहा था, जिसमें इस

घटनाक्रम को जलवायु आपदा बताया गया था। भगवान का शुक्र है कि अब दुनिया पिघलते ग्लेशियरों के विनाशकारी परिणामों के प्रति जाग गई है। ग्लोबल वार्मिंग से आगे बढ़कर, दुनिया पहले ही ग्लोबल बॉइलिंग स्टेज में प्रवेश कर चुकी है। इसका मतलब है पहाड़ियों और जंगलों का अंधाधुंध दोहन, जो दुनिया को सिर्फ जलवायु आपदा की ओर धकेलेगा। चार राज्यों—गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 37 जिलों में 1.44 लाख वर्ग किमी में फैली अरावली पहाड़ियों में सीसा, जस्ता, चांदी, तांबा और बेशक, संगमरमर जैसे मुख्य खनिजों का भरपूर भंडार है। इसके अलावा, ये पहाड़ियां लिथियम, निकेल, मोलिब्डेनम, नाइओबियम और टिन जैसे जरूरी खनिजों से भी भरपूर हैं। जैसे 'डोंट लुक अप' में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह विश्वास दिलाया गया था कि धूमकेतु की आर्थिक संपत्ति बहुत ज्यादा दौलत लाएगी, वैसे ही यह माना जा रहा है कि अरावली में मौजूद खनिज देश के आर्थिक विकास के लिए जरूरी हैं। अगर ऐसा है, तो मुझे नहीं पता कि इतने बड़े पैमाने पर 'सेव अरावली' विरोध प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं। क्या लोग खनिज संपदा की आर्थिक कीमत नहीं समझते, जिसे किसी भी कीमत पर निकालना जरूरी है? एक अरब साल से भी ज्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं; ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है। लेकिन अरावली पट्टी में इंसानी दखल और विकास प्रक्रिया के कारण वन्यजीवों के आवासों और स्थानीय आजीविका को पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है। जैसे-जैसे रेगिस्तान फैल रहा है, देश की कड़ी मेहनत से हासिल की गई खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

फरवरी, 2025 में संसद को बताया गया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा तैयार किए गए 2021 के भारत के मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण मानचित्र के अनुसार, रेगिस्तान तेजी से अन्न पैदा करने वाली कृषि भूमि की ओर बढ़ रहा है। पहले से ही, हरियाणा में 3.64 लाख हेक्टेयर से ज्यादा, पंजाब में 1.68 लाख हेक्टेयर और उत्तर प्रदेश में 1.54 लाख हेक्टेयर भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण की चपेट में आ चुकी है। एक बार अरावली का स्वरूप नई परिभाषा के अनुसार बन

उत्तर-पूर्व के नाजुक मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत

गुरबचन जगत

सदियों से, भारत अनगिनत हमलों का निशाना बनता रहा। यह एक प्राचीन सभ्यता थी, जिसके पास बेशुमार दौलत थी, और मध्य एशिया, ईरान, यूनान आदि के राजा सदा भारत पर हमला करने और उसे लूटने की कोशिश करते रहते थे। गौरी, गजनवी, अब्दाली, मुगल... ये सभी उत्तर-पश्चिम की तरफ से, खैबर दर्रे या ईरान और आज के पाकिस्तान के रास्ते आए। उन्होंने लूटा, अपवित्र किया, नरसंहार किया और कुल मिलाकर उस भूमि को बर्बाद कर दिया जो दौलत से तो भरी थी लेकिन खुद की रक्षा करने में असमर्थ रही। मुगलों ने एक कदम और आगे बढ़कर यहां पर अपनी जड़ें जमा लीं और सदियों तक राज किया। हालांकि, हमारे दक्षिणी राज्य और साम्राज्य, अपनी दूरी के कारण, इन हमलों को भुगतने से बचे रहे, और वहां लंबे समय तक समुद्र के रास्ते कोई हमला नहीं हुआ।

उन्होंने नजदीकी एवं सुदूर पूर्व के देशों के साथ व्यापार किया; उस व्यापार से आखिरकार जो आया, वह था यूरोपीय लोगों के रूप में एक कहीं ज़्यादा घातक हमलावर। पुराने उत्तर-पूर्वी राज्य (अहोम, मैतेई, कचारी, त्रिपुरी, वगैरह) लंबे समय तक निरंतर आपसी संघर्ष और अशांति की स्थिति में थे। अंग्रेजों ने जो वर्गीकरण थोपा उससे यह पुरानी दरारें और ज्यादा चौड़ी हो गईं। इसमें और इजाफा हुआ बर्मा साम्राज्य के साथ युद्ध और संघर्ष से। आज मैं जिस पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा वह है उत्तर-पूर्व,क्योंकि भारतीय उपमहाद्वीप के इस अपेक्षाकृत दूरदराज कोने में एक बेचैनी पनप रही है, जिसे अगर थामा नहीं गया, तो आने वाले समय में यह इस क्षेत्र में बहुत अस्थिरता का स्रोत बन जाएगा। प्रकृति को शून्यता पसंद नहीं है और यह तब और भी ज़्यादा लागू है जब बात शक्ति और अधिकार की शून्यता भरने की आए। जो आग आज एक छोटी सी झाड़ी की लग रही है, ऐसे में जब कतिपय 'तत्वों' द्वारा हवा दी जा रही हो, तो कल को वह एक बेकाबू दावानल बन सकती है जिसे बुझाने में भारी संसाधन खपाने पड़ेंगे और यह हमें और कमजोर करेगी। यही वह कमजोरी है जो सदियों से हमलावरों को लाती रही है।

आज की तारीख में, दक्षिण अभी भी सुरक्षित है, सिवाय समुद्र के रास्ते होने वाली बड़े पैमाने की तस्करी के। इस समस्या से निपटने के लिए हमारे पास तट रक्षक बल और नौसेना है। उत्तर और उत्तर-पश्चिम में नियंत्रण रेखा के पार से पाकिस्तान और लद्दाख में चीन की लगातार चुनौती बनी हुई है। यहां संघर्ष की सीमाएं पुरानी हैं, और नागरिक तथा हमारे रक्षा बल हमलावरों और घुसपैठियों की परेशान करने वाली लहरों के उतार-चढ़ाव के आदी हैं। मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि यह एक तेजी से क्रमिक विकास करती चुनौती नहीं है, लेकिन शायद समय के साथ यह अपनी मौजूदगी में स्थिर रही है। पूर्वोत्तर की बात करें तो, हमें इस मोर्चे पर जिस गंभीर और आसन्न खतरे का सामना करना पड़ सकता है, उसे पहचानना होगा। क्योंकि आज हमारे पास पड़ोसी के तौर पर एक अस्थिर म्यांमार है, साथ ही बांग्लादेश भी है, जो पहले हमारा दोस्त था लेकिन अब हमारे प्रति बहुत ज़्यादा बैर पाले हुए है।

बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ मंत्री भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग-थलग करने और चीन की मदद से उग्रवाद को बढ़ावा देने की जरूरत के बारे में नियमित बयान दे रहे हैं। पाकिस्तान, चीन की गुप्त मदद से उनके साथ है और उन्हें जन, सामान और नैतिक समर्थन दे रहे हैं। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को भारत के प्रति अपनी बुरी भावना और कश्मीर के लिए अपने मंसूबे जाहिर करने में जरा हिचक नहीं है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर गंभीर अत्याचार हो रहे हैं और निशाना बनाकर हत्याएं हो रही हैं। चीनी ड्रैगन की लगातार बढ़ती मौजूदगी एक खतरा है जो हर दिन बढ़ रहा है।पेंटागन की रिपोर्ट से पता चलता है कि ताईवान की तरह चीन के लिए अरुणाचल प्रदेश बहुत अहम इलाका है। अरुणाचल सीमा के पार चीन अपने मिलिट्री ठिकानों को तेजी से बढ़ा रहा है, जिसमें अग्रिम इलाकों में हवाई अड्डे और हैंगर शामिल हैं। उसने इस इलाके में गांव भी बसाए हैं। याद रखें कि लद्दाख इलाके में हमारी चीन के साथ आमने-सामने की टक्कर हुई है। चीन लगातार ऐसे इलाकों की तलाश में है जहां अग्रिम ठिकाने बनाए जा सकें। इस बीच, ऐसी खबरें आई हैं कि उल्फा के कई गुट चीन से निकलकर बांग्लादेश जा रहे हैं और अपने जैसी अन्य ताकतों के साथ गठजोड़ कर रहे हैं।

ये गुट पश्चिम बंगाल, असम, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा में विगत के आंदोलनों के बचे-खुचे हिस्से को हवा देंगे। हमारे इन राज्यों में पहले से ही अंदरूनी समस्याएं हैं जो हाल के सालों में और बढ़ गई हैं। मसलन, मणिपुर में मैतेई और पहाड़ी जनजातियां-कुकी, नागा वगैरह ऐतिहासिक मतभेदों के कारण आपस में बंटी हुई हैं। ये पहाड़ी जनजातियां मिजोरम, मेघालय और नगालैंड में भी फैली हुई हैं। मणिपुर में हिंसा लगातार जारी है और जबकि वहां सेना, अर्धसैनिक बल और पुलिस की भारी मौजूदगी है। इस समस्या को हल करने की ज़रूरत है, और बलों को कार्रवाई की एक स्पष्ट योजना दी जानी चाहिए। मिजोरम, मेघालय और नगालैंड में शरणार्थी कैंप हैं, जो विस्थापित जनजातियों के प्रति सहानुभूति दर्शाते हैं। इस समस्या में और वृद्धि यह हो सकती है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और म्यांमार की सक्रिय मदद से पुरानी आंतरिक गड़बड़ी फिर से शुरू हो सकते हैं। यहां सनद रहे कि इन विद्रोहों को पहले पहल लोगों का समर्थन मिला था। इन इलाकों में लंबे समय तक

ओट्स-दही का मिक्स

आज के समय में ओट्स हम सभी के नाश्ते का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में इसे थोड़े ओट्स को दही के साथ मिलाकर खाएं। इसे साथ आप इसमें अपने पसंदीदा फल भी डाल सकते हैं। इस नाश्ते में इसमें फाइबर होता है जो लंबे समय तक पेट भरा रखता है।

मूंग दाल चीला

ये खाने में काफी अच्छा लगता है। इसके लिए सबसे पहले मूंग दाल का पेस्ट बना लें। अबप उसमें मसाले डालकर पैन में बिना तेल के पकाएं। इसे आप हरी चटनी के साथ परोस सकती हैं। ये प्रोटीन से भरपूर होता है और वजन घटाने के लिए उपयुक्त है। मूंग दाल का विटामिन बी1 प्रदान करता है। इससे आपके शरीर को एनर्जी मिलती है। मूंग दाल पनीर चीला खाने से आपको पूरा दिन एनर्जी मिलती है। जिससे आपको थकान और कमजोरी महसूस नहीं होती है। इस चीला के नियमित सेवन से आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है। जिससे नसों में कोलेस्ट्रॉल के द्वारा प्लाक बनने की संभावना कम होती है। इससे नसें साफ रहती है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

स्प्राउट्स

ये एक ऐसा स्नैक्स है, जिसे हर कोई बेहद आसानी से बना सकता है। इसके लिए उबले हुए मूंग स्प्राउट्स में टमाटर, खीरा, नींबू और थोड़ी नमक-मिर्च डालकर सलाद बना लें। ये फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होता है, जो वजन घटाने में मदद करता है। ये खाने में भी काफी स्वादिष्ट लगती है। इनमें विभिन्न प्रकार के विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक माने जाते हैं। इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई जैसे पोषक तत्वों की भरपूर मात्रा पाई जाती है। वहीं इसमें कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। स्प्राउट्स में कम कैलोरी होने के साथ फाइबर की अधिक मात्रा भी होती है, जिससे इसका सेवन वेट लॉस में मददगार हो सकता है।

वजन घटाने वालों के लिए लो कैलोरी हैं ये स्नैक्स

आज-कल के युवा अपनी सेहत को लेकर काफी सजग हो गए हैं। फिट और एक्टिव रहने के लिए वे ऐसे आहार का चयन करते हैं, जो न सिर्फ स्वादिष्ट हो बल्कि वजन घटाने में भी मददगार साबित हो। खासकर व्यस्त जीवनशैली में, जब समय कम होता है, तब हेल्दी और जल्दी बनने वाले स्नैक्स की मांग बढ़ जाती है। ऐसे स्नैक्स जो लो-कैलोरी हों और शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी दें, वे वजन कंट्रोल करने वालों के लिए वरदान साबित होते हैं। जिन्हें घर बैठे कोई भी तैयार कर सकता है। ये खासतौर पर उन बैचलर्स के लिए भी बेहतरीन हैं जो बिना ज्यादा झंझट के हेल्थी खाना खाना चाहते हैं।

भुना हुआ चना

कुछ एकदम से हल्का बनाने का सोच रहे हैं तो भुने हुए चने से बेहतर कुछ नाश्ता आपके लिए हो नहीं सकता। इसे तैयार करने के लिए चने को तेल के बिना भून लें, थोड़ा नमक और लाल मिर्च डालकर खाएं। ये स्नैक प्रोटीन से भरपूर है और भूख को कंट्रोल करता है।

फ्रूट चाट

फ्रूट चाट बनाने के लिए आपको हरे अंगूर, अनार, जीरा पाउडर, चाट मसाला, सैंधा नमक, हरा धनिया, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर, नींबू का रस और शहद की जरूरत होगी। अनार को छीलकर बाउल में निकाल लीजिए। अंगूरों को धो कर डालें। ऊपर से गुलाबी नमक, जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, सैंधा नमक, काली मिर्च पाउडर, नींबू का रस और स्वादानुसार शहद डालें। ऊपर से कटा हरा धनिया डालें। टॉस करें और इसका आनंद लें। ये हेल्दी और मीठा स्नैक है जो वजन घटाने में मदद करता है। इस चाट को बनाने के लिए आप अपने पसंदीदा फलों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

हंसना मना है

पत्नी द्वारा तलाक दे दिए जाने के बाद, एक व्यक्ति ने अपने दोस्त से पूछा -अब आपको बहुत तकलीफ रहती होगी? दोस्त ने कहा- नहीं, अब तो मैं ज्यादा सुखी हूं। पहले मुझे दो लोगों का काम करना पड़ता था, अब एक का ही करना पड़ता है। ये सुनकर दोस्त बेहोश।

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से-तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके-अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए?

मायके से सोनू की पत्नी का फोन आया और बोली, क्या तुम मुझे याद करते हो? सोनू - पगली अगर कुछ याद करना इतना आसान होता, तो दसवीं में टॉप ना कर जाता?

साली- जीजा अगले 7 जन्म में क्या बनोगे? जीजा- जी छिपकली बनूंगा। साली- वो क्यों? जीजा- क्योंकि आपकी बहन सिर्फ छिपकली से ही डरती है। ये बात साइड में खड़ी बीवी सुन रही थी। उसके बाद जीजा जी को अगले कुछ दिनों तक एक ही आंख से देखना पड़ा।

डॉक्टर- तुम्हारे होंठ कैसे जल गए? आदमी- मायके जाने के लिए पत्नी को स्टेशन छोड़ने गया था! खुशी के मारे इंजन को ही चूम लिया!

कहानी | बिल्ली के गले में घंटी

एक बहुत बड़े घर में सैकड़ों चूहे रहते थे। वो अपना पेट भरने के लिए पूरे घर में टहलते थे। उनकी जिंदगी बड़े आराम से कट रही थी। अचानक एक दिन उस घर में शिकार करने के लिए, कहीं से एक बिल्ली आ गई। बिल्ली को देखते ही सारे चूहे तेजी से अपने-अपने बिल में छिप गए। उसने देखा कि उस घर में तो बहुत सारे चूहे हैं। उसने यहीं रहने का मन बना लिया। अब बिल्ली उसी घर में रहने लगी। जब भी उसे भूख लगती, तो बिल्ली अंधेरे में जाकर छिप जाती थी। जब चूहे बाहर निकलते, तो बिल्ली उन पर झपटा मारकर खा जाती थी। ऐसा रोज होने लगा। धीरे-धीरे चूहों की संख्या कम होने लगी थी। अब चूहों में दहशत फैल गई थी। इस समस्या का हल निकालने के लिए चूहों ने एक सभा बुलाई। सभा में सभी चूहे मौजूद थे। सभी ने कई सुझाव दिए, ताकि बिल्ली के आतंक को रोका जा सके और उसका शिकार बनने से चूहे बचे रहें। किसी का सुझाव ऐसा नहीं था, जिससे बिल्ली का आंतक रोका जा सके। सभी चूहे बैठे ही थे कि अचानक से एक बूढ़े चूहे ने सुझाव दिया। उसने कहा कि हम बिल्ली से बच सकते हैं, लेकिन उसके लिए एक घंटी और धागे की जरूरत पड़ेगी। बूढ़े चूहे ने कहा कि हम बिल्ली के गले में घंटी बांध देंगे और जब वह आएगी, तो घंटी बजने से हमें खतरे के बारे में पता चल जाएगा। खतरा जानने के बाद हम लोग भाग कर अपनी बिल में छिप जाएंगे। इससे हम लोग बिल्ली का शिकार बनने से बचे रह सकते हैं। सभी चूहे खुशी से झूमने लगे। सबने नाचना शुरू कर दिया और खुश होने लगे कि अब तो वह बिल्ली के खतरे से बचे रहेंगे। सभी चूहे खुशियां मना ही रहे थे कि अचानक से एक अनुभवी चूहा उठ खड़ा हुआ। उसने सभी चूहों को जोर से डांट लगाई और कहा कि चुप रहो, तुम सब मूर्ख हो। उसके बाद अनुभवी चूहे ने जो कहा, वह सुनकर सभी का मुंह उतर गया। चूहे ने कहा कि वो सब तो ठीक है, लेकिन जब तक बिल्ली के गले में घंटी नहीं बंध जाती, तब तक हम सुरक्षित नहीं हैं। अब तुम सब पहले ये बताओ कि आखिर बिल्ली के गले में घंटी बांधेगा कौन? सभी चूहे एक दूसरे की तरफ देखने लगे। सभा में सन्नाटा छा गया था। सभी चूहे निराश हो गए। इसी बीच बिल्ले के आने की आहट पाते ही सभी चूहे भागकर अपने-अपने बिल में जाकर छिप गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

वृषभ

घर में आज मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

आज धन के लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है।

कर्क

चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

सिंह

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा।

कन्या

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला

कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। खर्चों में कमी करें।

वृश्चिक

चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी।

धनु

पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे।

मकर

घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे।

कुम्भ

शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

मीन

अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

शूटिंग आगे बढ़ने की वजह से फिल्म लव एण्ड वार की रिलीज डेट में हुआ बदलाव : विक्की कौशल

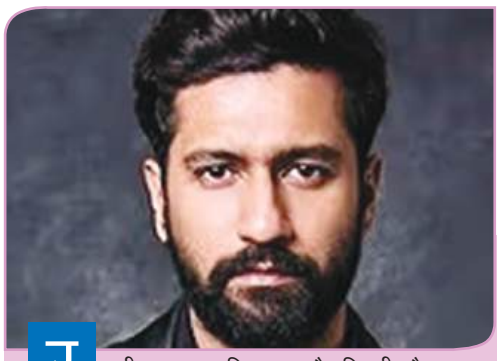

रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टारर लव एंड वॉर का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। पिछले एक साल से फिल्म की शूटिंग जारी है। संजय लीला भंसाली की ये फिल्म वॉर बेस्ड लव स्टोरी बताई जा रही है, जिसे पहले मार्च 2026 में रिलीज किया जाना था। लेकिन अब शूटिंग आगे बढ़ने के कारण रिलीज डेट में दोबारा बदलाव आ गए हैं। ये फिल्म अगस्त या सितंबर में रिलीज की जाएगी। लव एंड वॉर की शूटिंग मई 2026 तक खिंच गई है। इस कारण से फिल्म के बजट में भी काफी बड़ा उछाल आया है। फैंस इस फिल्म को देखने के लिए काफी एक्साइटेड थे। लेकिन अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। लव एंड वॉर की रिलीज टलने के बीच विक्की कौशल का एक बयान वायरल हो रहा है, जो एक्टर ने हाल ही में दिया। इसमें विक्की ने अपनी फिल्म की शूटिंग और संजय लीला भंसाली के साथ काम करने पर बात की है। जस्ट टू फिल्मी के यूट्यूब चैनल पर एक्टर ने कहा, मैं उनकी फिल्मों का बहुत फैन हूं, उन्हें एक फिल्ममेकर के तौर पर बहुत मानता हूं। मुझे लगता है कि वो इंडिया से आने वाली एकदम अलग और खास आवाज हैं। उनका अपना विजन है, वो कहानियां ऐसे तरीके से बताते हैं जिसे कोई और नहीं बता सकता। सच में वो फिल्म बनाने के कला के मास्टर हैं। मुझे बहुत खुशी और आशीर्वाद जैसा लग रहा है कि मेरे करियर के सिर्फ 10 साल में ही मैं उनकी फिल्म का हिस्सा बन रहा हूं। वो भी दो बहुत शानदार और सबके पसंदीदा एक्टर्स के साथ, रणबीर और आलिया। तो हां, हम अभी शूटिंग कर रहे हैं। बहुत मजा आ रहा है शूटिंग में और अगले साल (2026) आप सबको फिल्म दिखाई देगी।

राजीव सिद्धार्थ संग इश्क लड़ा रही हैं पिंक एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी

फोर मोर शॉट्स प्लीज के स्टार कीर्ति कुल्हारी और राजीव सिद्धार्थ ने नए साल 2026 पर फाइनली अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। हालांकि उनके डेटिंग की अफवाहें नवंबर 2025 में सामने आई थीं, लेकिन अब दोनों ने इंस्टाग्राम पर अपने रिश्ते को ऑफिशियली कंफर्म कर दिया है। उन्होंने नए साल पर एक प्यारी सी पोस्ट शेयर की, जिसमें उनकी प्यार भरी तस्वीरों का कमपाइलेशन है।

नए साल 2026 पर, कीर्ति कुल्हारी और राजीव सिद्धार्थ ने अपने इंस्टाग्राम पर साथ में अपनी प्यारी तस्वीरें शेयर की थीं। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, एक तस्वीर हज़ार शब्दों के बराबर होती है। हैप्पी न्यू ईयर सभी को हैप्पी 2026 पोस्ट शेयर करने के तुरंत बाद, मानवी गागरू ने कमेंट किया, हैप्पी न्यू ईयर लवलीज। वहीं, शो के फैंस बेहद खुश हुए! एक नेटिजन ने लिखा, वाह! आप दोनों साथ में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जबकि दूसरे ने मज़ाकिया अंदाज़ में कमेंट किया, आप दोनों के लिए बहुत खुश हूंज लेकिन ये बोलना है तो ये सिद्धि का पति था ना।

बता दें अपने रिश्ते को कंफर्म करने वाले कीर्ति कुल्हारी और राजीव सिद्धार्थ फोर मोर शॉट्स प्लीज में साथ काम किया है। इस शो में कीर्ति ने अंजना मेनन का किरदार निभाया है, जबकि राजीव मिहिर शाह के किरदार में हैं, जिनकी जोड़ी मानवी गागरू की सिद्धि के साथ रोमांटिक रूप से जुड़ी हुई है।

कीर्ति-राजीव के अफेयर के रूमर्स कब से फैले?

पिछले महीने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए लिखे गए उनके प्यारे मैसेज को देखकर उनके डेटिंग की अफवाहें फैलने लगी थीं। नवंबर में कीर्ति द्वारा राजीव के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद अटकलों को और हवा मिल गई थी। तस्वीर में, वह राजीव के कंधे पर सिर रखकर गर्दन पर आइस पैक लगाए बैठी थीं और कैप्शन में लिखा था, मेरी गर्दन में दर्द है और मेरे पास आइस पैक है राजीव सिद्धार्थ। इस पोस्ट ने प्रशंसकों के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी थी और कई लोगों ने उनकी बढ़ती नजदीकी पर चर्चा शुरू कर दी थी। इससे पहले, दिवाली के दौरान, कीर्ति ने राजीव के करीब झुकी हुई एक और तस्वीर शेयर की थी और हार्ट वाले इमोजी के साथ हैप्पी दिवाली लव लिखा था।

थलापति विजय की फिल्म जन नायकन का ट्रेलर 9 जनवरी को सिनेमाघरों में होगा रिलीज

थलापति विजय की जन नायकन का इंतजार अब बस कुछ ही दिनों का बचा है। ये फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म को लेकर लोगों काफी एक्साइटमेंट हैं। थलापति विजय की आखिरी फिल्म है इस वजह से फैंस का इमोशनल भी हो रहे हैं।थलापति विजय ने अब फैंस को एक सरप्राइज देने का प्लान किया है। वो फिल्म का फाइनल ट्रेलर रिलीज करने जा रहे हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद पोस्टर शेयर करके दी है।

विजय ने जो पोस्टर शेयर किया है उसमें वो हाथ में बंदूक दिख रहे है और वह गुस्से में देख रहे हैं। बॉबी देओल और मामिथा बैजू भी पोस्टर में मौजूद हैं। इस पोस्टर को देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। हर कोई इसकी खूब तारीफ कर रहा है।

थलापति विजय ने नए पोस्टर के साथ ट्रेलर की तारीख और टाइमिंग दोनों की ही जानकारी दे दी है। फिल्म का फाइनल ट्रेलर 3 जनवरी को शाम 6:45 बजे रिलीज होने वाला है। फिल्म का ट्रेलर तमिल, तेलुगू और हिंदी में रिलीज होगा।

मेकर्स ने नया पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- जन नायकन का ट्रेलर तमिल, तेलुगू और हिंदी में 3 जनवरी शाम को रिलीज होगा।

जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि जना नायकन थलपति विजय की आखिरी फिल्म है। एक्टर ने खुद मलेशिया में ऑडियो लॉन्च पर सिनेमा से रिटायरमेंट की घोषणा की थी। फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बहुत ज्यादा है। 9 जनवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली यह पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा फिल्म पिछले सभी बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड तोड़ने की उम्मीद है।

अजब-गजब | चीन के इस गांव में बना अजीबोगरीब नियम

यहां दूसरे प्रांत में शादी की तो लगेगा जुर्माना

एक समय था जब लोग जाति-धर्म को बहुत मानते थे और अलग जाति या धर्म में शादियां करने से कतराते थे, लेकिन अब ऐसा बहुत कम ही देखने को मिलता है, पर जरा सोचिए कि अगर आपने दूसरे राज्य की लड़की से शादी कर ली और आपके ऊपर जुर्माना लगाया जाए तो? जी हां, ये चौंकाने वाली बात तो है, लेकिन चीन के एक गांव में ऐसा ही अजीबोगरीब नियम बना है, जिसकी वजह से उसे ऑनलाइन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, इस गांव ने शादी के बाहर गर्भधारण करने और शादी से पहले साथ रहने वाले जोड़ों के लिए विवादास्पद जुर्माने लागू किए हैं।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह गांव दक्षिण-पश्चिमी चीन के युन्नान प्रांत के लिनकांग में स्थित है। यहां एक नोटिस बोर्ड लगा है, जिसकी तस्वीर जैसे ही सोशल मीडिया पर आई, एक अलग ही बहस छिड़ गई। नोटिस में अविवाहित गर्भावस्था, बिना शादी के संबंध बनाने और यहां तक कि युन्नान प्रांत के बाहर के किसी व्यक्ति से शादी करने के लिए जुर्माने का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है कि प्रांत के बाहर के किसी व्यक्ति से शादी करने पर 1,500 युआन (210 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना, अविवाहित गर्भावस्था पर 3,000 युआन का जुर्माना और साथ रहने वाले अविवाहित जोड़ों को सालाना 500 युआन (70 अमेरिकी डॉलर) जुर्माने का भुगतान करना होगा। नोटिस में ये भी लिखा है कि अगर शादी के तुरंत बाद, 10 महीने से कम समय में बच्चा पैदा होता है, तो 3,000 युआन का जुर्माना लगाया जाएगा और अगर पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और मध्यस्थता के लिए ग्राम अधिकारियों को बुलाया जाता है, तो प्रत्येक व्यक्ति पर 500 युआन का जुर्माना लगाया जाएगा। इतना ही नहीं, जो लोग दूसरे गांवों में शराब पीकर उपद्रव करते हैं, उन्हें भी 3,000 से 5,000 युआन (700 अमेरिकी डॉलर) तक के जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा गांव के भीतर अफवाह फैलाने या निराधार दावे करने वालों पर भी 500 से 1000 युआन तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

मेंगडिंग टाउन सरकार के एक अधिकारी ने हाल ही में रेड स्टार न्यूज को बताया था कि नोटिस पर लिखी बातें बहुत ही असामान्य थीं और इसे बाद में हटा दिया गया था। अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह नोटिस ग्राम समिति द्वारा अपनी पहल पर लगाया गया था, इसके लिए टाउनशिप सरकार को सूचित नहीं किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरप्रांतीय या अंतरजातीय विवाहों को प्रतिबंधित करने वाले कोई स्थानीय नियम नहीं हैं।

यहां धरती पर सबसे आखिरी में मनाया जाता है नए साल का जश्न

पूरी दुनिया में नव वर्ष का जश्न मना जा रहा है। भारत, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और जापान समेत दुनिया के देशों में जश्न के साथ नए साल की शुरुआत हुई। दुनिया में सबसे पहले नए की शुरुआत प्रशांत महासागर के छोटे से द्वीप किरिमाती में हुई। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किस देश में सबसे आखिरी में नया साल मनाया जाता है।

दुनिया के देश अलग-अलग टाइम जोन के हिसाब से अलग-अलग समय पर नए साल का जश्न मनाते हैं। अमेरिका के समोआ और नियो में सबसे आखिर में नए साल जश्न मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर ऐसे क्यों हैं कि अमेरिका के इन आइलैंड पर सबसे आखिर में नए साल का जश्न मनता है। यह द्वीप प्रशांत महासागर में स्थित हैं और इसके पीछे टाइम जोन है। दरअसल, यह द्वीप अष्ट-12 टाइम जोन में आते हैं, जो दुनिया का सबसे पीछे चलने वाला समय है। इस समय भारत, यूरोप और एशिया में लोग नया मना चुके होते हैं, तब यहां 1 जनवरी आता है। इन द्वीपों पर नया साल सबसे आखिरी में आता है। समय की गणना में यही जगह न्यू ईयर की आखिरी सीमा मानी जाती है और यहां के बाद कहीं भी न्यू ईयर का जश्न बाकी नहीं रहता। इन द्वीपों पर कोई स्थायी आबादी नहीं रहती। जब यहां नए साल शुरू होता है, तो दुनिया के ज्यादातर देश 1 जनवरी मना चुके होते हैं। जब दुनिया के ज्यादातर देशों में 1 जनवरी शुरू हो चुका होता है, तो यहां पर अभी भी 31 दिसंबर चल रहा होता है।

दिल्ली में इसबार भी सदन में मचेगी रार

शीतकालीन सत्र में फांसी घर का मामला बढ़ाएगा गर्माहट

» सत्ता पक्ष रेखा सरकार तैयार, विपक्ष अभी मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू हो चुका है। विपक्ष आप ने भाजपा सरकार पर जनता के मुद्दों पर घेरने की योजना बना ली है। उधर पिछली बार की तरह इसबार भी फांसी घर को लेकर बवाल मचना तय है। कार्य मंत्रणा समिति ने शुक्रवार को फांसी घर मामले पर आगे की संसदीय कार्यवाही की रूपरेखा तय कर दी है।

समिति ने निर्णय लिया है कि 9 अगस्त 2022 को विधानसभा परिसर में उद्घाटन किए फांसी घर की प्रामाणिकता से जुड़े विषय को आगामी शीतकालीन सत्र में सदन के पटल पर रखा जाएगा। 5 से 8 जनवरी तक चलने वाली आठवीं विधानसभा के चौथे सत्र में ये विषय आएगा। कार्य मंत्रणा समिति ने बताया है कि ये मामला पहले विशेषाधिकार समिति के पास जांच के लिए भेजा गया था। जांच पूरी होने के बाद अब इसे सदन में किस तरह लाया जाए, इस पर विचार करने के लिए कार्य मंत्रणा समिति के सामने रखा गया। विस्तृत चर्चा के बाद समिति ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिस पर शीतकालीन सत्र के दौरान सदन में चर्चा होगी।

जांच रिपोर्ट को आगे की कार्यवाही के लिए सौंपा गया

विशेषाधिकार समिति में प्रद्युम्न सिंह राजपूत सभापति हैं, जबकि सूर्य प्रकाश खत्री, अभय कुमार वर्मा, अजय कुमार महावर, सतीश उपाध्याय, नीरज बसोया, रवि कांत, राम सिंह नेताजी और सुरेन्द्र कुमार इसके सदस्य हैं। समिति ने जांच रिपोर्ट और तथ्यों को आगे की कार्यवाही के लिए सौंपा है। कार्य मंत्रणा समिति ने साफ किया कि विधानसभा सदन में इस मुद्दे पर पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ चर्चा कराई जाएगी। संस्थागत जवाबदेही तय होना जरूरी है, ताकि विधानसभा की गरिमा बनी रहे। सत्ता पक्ष पूरी तैयारी में है। ऐसे में विपक्ष इसका जवाब कैसे देगा यह सदन में ही पता चलेगा। क्योंकि विपक्ष इस बारे में फिलहाल चुप है।

तय समय और संसदीय परंपरा से चलेगा सदन

कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट के अलावा सदस्य अभय वर्मा, जितेन्द्र महाजन, ओम प्रकाश शर्मा और सोम दत्त मौजूद रहे। बैठक में तय हुआ कि सदन में लाए जाने वाले हर विषय में प्रक्रिया स्पष्ट रहेगी। संसदीय परंपराओं का पालन होगा। चर्चा व्यवस्थित और तथ्य आधारित होगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समिति ने जांच के दौरान संबंधित लोगों को अपना पक्ष रखने के लिए अवसर दिए। इसके बावजूद दो-दो बार बुलाए जाने पर भी तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, राम निवास गोयल और राखी बिरला विशेषाधिकार समिति के सामने पेश नहीं हुए। यह बात जांच के दौरान रिकॉर्ड में आई।

महिलाओं के सेक्शुअलाइजेशन की घटनाओं पर लगे रोक

» सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को चिट्ठी लिखकर सरकार से मांग की है कि सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई का दुरुपयोग करके महिलाओं के सेक्शुअलाइजेशन की घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। राज्यसभा सांसद का दावा है कि सोशल मीडिया खासकर एलन मस्क के एक्स पर यह समस्या बहुत ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने कहा है कि यह समस्या सभी तरह के सोशल मडिया प्लेटफॉर्म पर है और हमारा देश महिलाओं के सम्मान का इस तरह से हनन होते देखकर मूकदर्शक नहीं बना रह सकता।

अपनी चिट्ठी में प्रियंका चतुर्वेदी ने ग्रोक जैसे एआई चैटबॉट पर सख्ती का आह्वान करते हुए सोशल मीडिया को महिलाओं के लिए सुरक्षित स्पेस देने की मांग की है और साथ ही ऐसे बर्तावों को रोकने के लिए पुरुषों को कम उम्र से बेहतर शिक्षा की अहमियत भी जताई है। चतुर्वेदी ने लिखा है,सोशल मीडिया पर महिलाओं की तस्वीरों का गलत इस्तेमाल करके एआई ऐप्स के जरिए उन्हें सेक्शुअलाइज करने और उनके कपड़े उतारने की बढ़ती वारदातों के मामले में आईटी मंत्री से तुरंत ध्यान और दखल देने की मांग की है। उन्होंने मंत्री को लिखे खत में कहा है, ग्रोक जैसे फीचर्स की ओर से ऐसे गार्डरेल्स लगाए जाने चाहिए, जो महिलाओं की गरिमा का उल्लंघन न करें, बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को इसकी जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी।

और मेरी ख्वाहिश है कि ऐसे बर्ताव करने वाले पुरुषों को उनके घरों और स्कूलों में बेहतर शिक्षा मिले, ताकि बड़े होकर वे ऐसे विकृत बीमार इंसान न बनें। शिवसेना (यूबीटी) सांसद की शिकायत है कि एक्स पर ऐसा ट्रेंड चल पड़ा है, जहां फेक अकाउंट चलाने वाले पुरुष कथित रूप से महिलाओं की तस्वीरें अपलोड करते हैं और उनके कपड़े घटाने या उन्हें सेक्शुअलाइज करने के लिए एआई का इस्तेमाल करते हैं।

इस साल भारत कर सकता है बांग्लादेश का दौरा!

» बीसीसीआई को मिला आमंत्रण, वनडे और टी20 सीरीज सितंबर में संभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घोषणा की कि भारतीय टीम इस साल सितंबर में बांग्लादेश का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और इतने ही मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए यह अभी स्पष्ट नहीं है कि बीसीसीआई इस दौरे के लिए अंतिम मंजूरी देगा या नहीं, क्योंकि बांग्लादेश में फिलहाल स्थिर सरकार नहीं है। बीसीबी द्वारा जारी किए गए कार्यक्रम के अनुसार, दोनों टीमों के बीच 1, 3 और 6 सितंबर को वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद 9, 12 और 13 सितंबर को टी20 सीरीज में होगी।

भारतीय टीम 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचेगी। बता दें कि, पिछले साल जुलाई में भारत का बांग्लादेश दौरा अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था और छह मैचों की सफेद गेंद की सीरीज को एक साल से अधिक समय के लिए टाल दिया गया था। उस समय बीसीसीआई ने बयान जारी कर कहा था, बीसीबी और भारतीय बीसीसीआई ने आपसी सहमति से अगस्त 2025 में होने वाली तीन वनडे और तीन टी20 मैचों की सीरीज को सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। बयान में यह भी कहा गया था कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और शेड्यूल की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। साथ ही बीसीबी ने सितंबर 2026 में भारत का स्वागत करने की उम्मीद जताई थी और संशोधित कार्यक्रम बाद में जारी करने की बात कही थी। अब देखना यह होगा कि मौजूदा परिस्थितियों में बीसीसीआई इस प्रस्तावित सितंबर दौरे को लेकर क्या अंतिम फैसला लेता है।

विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम का ऐलान

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप के लिए दक्षिण अफ्रीका ने 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया। एडेन मार्करम इस टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं, कगिसो रबाडा चोट के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। हैरानी की बात यह है कि ट्रिस्टन स्टब्स और रेयान रिकेल्टन को टीम में शामिल नहीं किया गया है। दक्षिण अफ्रीका टीम की चयन समिति ने टी20 विश्वकप के लिए कई नए चेहरों को स्क्वॉड में शामिल किया है। इनमें कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, क्वेन मफाका और जेसन स्मिथ शामिल हैं। तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा भी वापसी के लिए तैयार हैं। हाल ही में भारत के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज में पसली की चोट के कारण वह नहीं खेल पाए थे। दक्षिण अफ्रीका को ग्रूप डी में रखा गया है, जहां उनका सामना अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा।

नगर निकाय चुनाव से पहले सियासी घमासान

» भाजपा ने अजित पवार पर किया पलटवार, भ्रष्टाचार के आरोप लगाने से पहले करें आत्ममंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक बार फिर नगर निकाय चुनाव से पहले सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा ने अजित पवार के भ्रष्टाचार आरोपों पर तीखा जवाब देते हुए कहा- चुनाव से पहले आरोप लगाने से पहले आत्ममंथन करें। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार और कर्ज के आरोप लगाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा पलटवार किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि आरोप लगाने से पहले अजित पवार को आत्ममंथन करना चाहिए।

रविंद्र चव्हाण ने शनिवार को कहा कि अगर भाजपा भी आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू करे, तो इससे अजित पवार के लिए गंभीर मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पवार यह स्पष्ट करें कि उनका निशाना किस पार्टी पर है- क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली पार्टी की बात कर रहे हैं? चव्हाण ने कहा कि अजित पवार का बयान नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे इसके राजनीतिक मकसद पर सवाल उठते हैं। गौरतलब है कि पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम 2017 से 2022 तक भाजपा के शासन में रहा, इसके बाद वहां प्रशासक नियुक्त किया गया। अब 15 जनवरी को निगम चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कल्याण-डोंबिवली समेत कई जगहों पर भाजपा उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने को गठबंधन की मजबूती से जोड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ आने से विपक्ष लगभग मैदान से बाहर हो गया है।

अजित पवार ने भी किया वार

इससे पहले अजित पवार ने नगर निकाय चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने का बचाव किया था। उन्होंने कहा कि जब तक कोई दोषी साबित न हो, उसे अपराधी नहीं कहा जा सकता। पवार ने खुद पर लगे 70 हजार करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले के आरोपों का भी हवाला दिया। हालांकि, एनसीपी द्वारा ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद और तेज हो गया है, जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं और जो फिलहाल जेल में हैं।

आरएसएस अर्धसैनिक संगठन नहीं : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि वर्दी और शारीरिक अभ्यास के बावजूद संघ कोई अर्धसैनिक संगठन नहीं है और भाजपा को देखकर आरएसएस के बारे में निष्कर्ष निकालने की कोशिश करना एक बड़ी भूल होगी।

भागवत ने यहां प्रबुद्धजनों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को एकजुट करने और उसमें आवश्यक गुण व सद्गुण विकसित करने का कार्य करता है, ताकि भारत दोबारा किसी विदेशी शक्ति के अधीन न जाए। उन्होंने कहा, 'हम वर्दी पहनते हैं, पथ संचलन करते हैं और दंड अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा कि संघ एक अनूठा संगठन है, जिसे समझना आसान नहीं है। भागवत ने कहा, अगर आप भाजपा को देखकर संघ को समझना चाहते हैं तो यह बहुत बड़ी गलती होगी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को हाईकोर्ट से राहत

» छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को छत्तीसगढ़ में कथित उत्पाद शुल्क घोटाले के संबंध में जमानत दे दी है। यह राहत प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज दोनों मामलों में दी गई है। कोर्ट से जमानत फाइनल चार्जशीट दाखिल होने के बाद मिली है। हाल ही में ईडी ने शराब घोटाले में फाइनल चार्जशीट दाखिल की थी। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

इस घोटाले में कथित तौर पर राज्य के खजाने को 2,161 करोड़ से अधिक का चूना लगाया गया था। एजेंसी उन्हें इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड बताती है, जिसमें कथित तौर पर रिश्वतखोरी, ऑफ-द-बुक बिक्री और लाइसेंस में हेराफेरी का एक नेटवर्क शामिल था। यह कथित घोटाला छत्तीसगढ़ सीएसएमसीएल के माध्यम से संचालित होता था, जहां शराब बनाने वालों से अनुकूल बाजार पहुंच के बदले कथित तौर पर रिश्वत ली जाती थी। ईडी का कहना है कि सरकारी दुकानों के माध्यम से देशी शराब अवैध रूप से बेची जाती थी और विशिष्ट लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए विदेशी शराब के लाइसेंस में हेराफेरी की जाती थी। इस मामले में कई अन्य हाई-प्रोफाइल नाम भी शामिल हैं, जैसे व्यवसायी अनवर ढेबर, पूर्व नौकरशाह अनिल टुटेजा और पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, जिन पर नियमित रूप से रिश्वत लेने का आरोप है।

मुख्यमंत्री आवास से चंद दूरी पर दिखी घोर लापरवाही!

लखनऊ में 71 भेड़ों की मौत के बाद भी नहीं चेते जिम्मेदार, पिपराघाट में कूड़े के ढेर में लगाई गई आग, कूड़ा खाने को मजबूर गायें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर में हाल ही में खराब और जहरीला कूड़ा खाने से 71 भेड़ों की मौत का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि जिम्मेदार विभागों की लापरवाही एक बार फिर सामने आ गई है। पिपराघाट इलाके में खुलेआम कूड़े के ढेर में आग लगा दी गई, वहीं उसी कूड़े के ढेर के आसपास गायें कचरा खाते हुए देखी गईं।

यह दृश्य न सिर्फ प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करता है, बल्कि पशुओं की जान के साथ हो रहे खिलवाड़ पर भी सवाल खड़े करता है। डेयरी संचालन धीरज पाल ने बताया कि पिपराघाट में लंबे समय से नगर निगम कूड़ा फेंक रहा है, उन्होंने बताया कि जनेश्वर मिश्र पार्क से निकला वेस्ट मटेरियल और बाकी कूड़ा यहाँ फेंका जाता है। कई बार मना करने के बावजूद उन्होंने कूड़ा फेंकना बंद नहीं किया। कई बार मना करने के बावजूद भी नगर निगम कर्मचारी नहीं माने। लगातार कूड़ा फेंके जाने से यहां कचरा सड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि बदबू और धुएं से आसपास के लोग परेशान हैं। आरोप है कि कूड़े के निस्तारण के बजाय उसमें आग लगाकर उसे खत्म करने की कोशिश की गई, जिससे जहरीला धुआं फैल गया। चिंताजनक बात यह है कि इसी कूड़े के ढेर में आवारा गायें और अन्य पशु मुंह मारते नजर आए। प्लास्टिक, सड़ा हुआ भोजन और जहरीले पदार्थ खाने से पशुओं के बीमार पड़ने और मरने का खतरा लगातार बना हुआ है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही है।

कूड़ा प्रबंधन को दुरुस्त किया जाए

पशुप्रेमियों और सामाजिक संगठनों जुड़े डॉक्टर राहुल ने बताया कि जला हुआ कूड़ा सड़ा खाने से जानवर की आंतों में जाकर चिपक सकती है जिससे जानवरों की मौत भी हो सकती है इस मामले पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि जब 71 भेड़ों की मौत जैसी बड़ी घटना से भी प्रशासन सबक नहीं ले सका, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की है कि कूड़ा प्रबंधन को दुरुस्त किया जाए, खुले में कूड़ा फेंकने और उसमें आग लगाने पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जबकि एनजीटी की रिपोर्ट भी यह कहती है कि खुले में कूड़े को न जलाया जाए जनता के स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है और वातावरण को प्रदूषित करता है उसके बावजूद भी इतनी बड़ी लापरवाही सामने आई है।

"ये ज़मीन एलडीए की है और यहाँ कि पूरी ज़िम्मेदारी उन्हीं की है और अगर नगर निगम निगम द्वारा किसी प्रकार का कूड़ा यहाँ गिराया जा रहा है तो उसे तुरंत प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

-पंकज शुक्ला
नगर निगम जोन 4

इंदौर में पानी नहीं, जहर दिया : राहुल गांधी

» लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

» कांग्रेस ने बीजेपी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत को लेकर आरोप लगाया कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश कुप्राशन का केंद्र बन चुका है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मौत पर हमेशा की तरह खामोश हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि जीवन के अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन जिम्मेदार है।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। उन्होंने सवाल किया कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की तो फिर सुनवाई क्यों नहीं हुई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि सीवर पीने के पानी में कैसे मिला। समय रहते आपूर्ति बंद क्यों नहीं हुई। जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी। उन्होंने कहा ये फोकट सवाल नहीं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह जिम्मेदार है।

अब कुप्रशासन का केंद्र बना मध्यप्रदेश

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार हुई फेल : अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इंदौर जल त्रासदी और दिल्ली के विषाक्त प्रदूषण को दोहरे इंजन शासन की विफलता बताते हुए भाजपा पर जमकर हमला बोला। पश्चिम बंगाल में अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए बनर्जी ने मध्य प्रदेश में दूषित पानी से 10 लोगों की मौत और दिल्ली के खराब वायु गुणवत्ता सूचकांक के कारण उत्पन्न स्वास्थ्य आपातकाल का मुद्दा उठाया। अधिकतम तापमान लगभग 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से यूपी में बढ़ी ठिठुरन

» राजस्थान में पहली बार जीरो डिग्री तापमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नए साल के आगाज के साथ देश में तापमान तेजी से नीचे गिरने लगा है। कई राज्यों में सर्दियों का सितम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में पारा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, तो वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में गलन और ठिठुरन बढ़ने लगी है। भारतीय मौसम विभाग ने कई राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है।

ढ्ढस्ष्ठ ने जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, बिहार, ओडिशा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है।जम्मू कश्मीर में पहाड़ों ने बर्फ की मोटी चादर ओढ़ ली है। मौसम विभाग ने केदारनाथ, बंद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब समेत कई जिलों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। इसका असर निचले इलाकों में देखने को मिल सकता है, जहां ठंड अचानक से बढ़ने की संभावना है।

दिल्ली में शीतलहर का अलर्ट

राजधानी दिल्ली में भी कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने राजधानी समेत आसपास के जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इस दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं।

पुलिस के दो मुठभेड़ों में 14 नक्सली ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। शनिवार को छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ दो अलग-अलग मुठभेड़ों में कम से कम 14 नक्सली मारे गए। बस्तर रेंज में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान, सुरक्षा बलों ने 14 माओवादियों के शव बरामद किए। इनमें से दो बीजापुर जिले के और 12 सुकमा जिले के थे।

बस्तर के दक्षिणी हिस्सों में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया था। जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीमें क्षेत्र में तैनात की गईं। बीजापुर में सुबह लगभग 5ः00 बजे से और सुकमा में सुबह 8:00 बजे से डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थलों से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए, जिनमें एके-47, इंसास राइफलें और एसएलआर राइफलें शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इससे पहले, शनिवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में जिला रिजर्व गार्ड के साथ मुठभेड़ में दो माओवादी मारे गए थे। सुरक्षा बलों ने बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत दक्षिण बस्तर क्षेत्र में जिला रिजर्व गार्ड की एक टीम तैनात की गई थी। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी. सुंदरराज के अनुसार, सुबह लगभग 5 बजे से डीआरजी कर्मियों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है।

केंद्र सरकार देश में मादक पदार्थों के प्रवेश पर रोक लगाए : स्टालिन

तमिलनाडु के सीएम ने कहा- मादक पदार्थों के खिलाफ मिलकर लड़ना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तिरुचिरापल्ली में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए मादक पदार्थों के खतरे को जड़ से खत्म करना आवश्यक है और उन्होंने केंद्र सरकार से देश में मादक पदार्थों के प्रवेश को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आह्वान किया।

तिरुचिरापल्ली में एमडीएमके के संस्थापक वाइको के नेतृत्व में समानता मार्च के शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मादक पदार्थों के उन्मूलन की आवश्यकता पर कोई मतभेद नहीं है, जिसे उन्होंने युवाओं के लिए एक गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए कई कदम उठा रही है, हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि ये उपाय अभी पूरी तरह से प्रभावी नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु में अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी नशीले पदार्थों की तस्करी हो रही है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस समस्या का समाधान केवल राज्य सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह उन बंदरगाहों और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर कड़ी निगरानी रखे जिनके माध्यम से भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। उन्होंने कहा कि समाचार रिपोर्टों के माध्यम से हमें पता चलता है कि किन बंदरगाहों का इस्तेमाल देश में नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए किया जा रहा है। इन प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सीमाओं के पार नशीले पदार्थों की आवाजाही को रोकने के लिए केंद्र और सभी राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्टालिन ने तिरुवल्लूर, वेल्लोर और रानीपेट जिलों में हाल ही में जब्त की गई एक लाख से अधिक नशीली दवाओं की गोलियों का हवाला दिया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**